# विषय-क्रम


| विषय | | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| प्रस्तावना | ... | ३६ |
| वन्दना | ... | ४६ |
| **पहला सर्ग** | | |
| १—भारत भव्यता | ... | ५३ |
| २—विदेह विभव | ... | ५५ |
| ३—कुण्डग्राम—गरिमा | ... | ५७ |
| ४—सिद्धार्थ-शासन | ... | ५८ |
| ५—त्रिशला देवी | ... | ६४ |
| ६—दाम्पत्य-दिव्यता | ... | ७० |
| **दूसरा सर्ग** | | |
| १—स्वर्ग-व्यवस्था | ... | ७७ |
| २—अमरेन्द्र आज्ञा | ... | ८१ |
| ३—अलकेश-प्रयाण | ... | ८५ |
| ४—रत्न वृष्टि | ... | ८६ |
| ५—राज दम्पति का राग | ... | ९२ |
| ६—अच्युतेन्द्र-अवतरण | | ९५ |
| ७—त्रिशला-निद्रा | ... | ९७ |
| **तीसरा सर्ग** | | |
| १—निशीथ-तम | ... | १०१ |
| २—षोड़श स्वप्न | | १०५ |

३—गर्भागम ... १११
४—प्रभात-प्रकाश ... ११२
५—त्रिशला-जागृति ... ११५
६—दासियों का अनुरोध ... ११६
७—त्रिशला का सामायिक ... ११८
८—शरीर-सज्जा ... १२१

## चौथा सर्ग

१—सिद्धार्थ-सभा ... १२५
२—स्वप्न कथन ... १२७
३—फल-श्रवण ... १३०
४—छप्पन दिक्कुमारियाँ ... १३७
५—त्रिशला-सेवा ... १४०

## पाँचवाँ सर्ग

१—शरद-शोभा ... १४६
२—सिद्धार्थ-स्वागत ... १५१
३—सिद्धार्थ-सम्बोधन ... १५१
४—त्रिशला के तर्क ... १५६
५—शयन ... १६२
६—गर्भ गौरव ... १६४
७—हेमन्त ... १६६
८—विशेष-व्यवस्था ... १६८

## छठा सर्ग

१—प्रकाशोदय ... १७३
२—प्रश्नोत्तर ... १७७

३--त्रिशला की धार्मिकता ... १८२
४—वसन्त-विभव ... १८३
५--जिनेन्द्र-जन्म ... १८६
६—प्रकृति पर प्रभाव ... १८६
७—दासियों द्वारा बधाई ... १६१
८—सिद्धार्थ सौख्य ... १६२

## सातवाँ सर्ग

१--नगर सज्जा ... १६७
२—उत्सव-व्यवस्था ... १६८
३—सिद्धार्थ-औदार्य ... २००
४—उत्सव-आरम्भ ... २०२
५--सङ्गीत-प्रभाव ... २०३
६--अन्य आयोजन ... २०५
७--धार्मिक समारोह ... २०६
८--अमरेन्द्र आगमन ... २०७
६—जिनेन्द्र दर्शन ... २०६
१०—अभिषेकार्थ गमन ... २१०
११—अभिषेक ... २१३
१२—इन्द्राणी कृत शृङ्गार ... २१५
१३—इन्द्रकृत संस्तुति ... २१६
१४—प्रत्यागमन ... २१७

## आठवाँ सर्ग

१—नाटकारम्भ ... २२१
२--अभिषेकोत्सव दृश्य ... २२३
३--पूर्वभव ... २२४

४—ताण्डव–नृत्य ... २२८
५—नृत्य–प्रभाव ... २२६
६—शिशु–सौन्दर्य ... २३२
७—नामकरण ... २३५
८—सुत–संवर्धन ... २३६
९—वर्धमान का विवेक ... २३८
१०—दर्शन–प्रभाव ... २४१

## नवाँ सर्ग

१—इन्द्र–सभा ... २४५
२—देव–परीक्षा ... २४५
३—बाल मित्रों का भय ... २४६
४—सन्मति का साहस ... २४८
५—महावीर नामकरण ... २५०
६—निरंकुश गज ... २५२
७—गज–क्रोध ... २५३
८—वीर की विजय ... २५५
९—बुद्धि वैशिष्ट्य ... २५६
१०—यौवन–आरम्भ ... २५९
११—एकान्त–चिन्तन ... २६०

## दसवाँ सर्ग

१—मातृ–ममता ... २६९
२—वीर-विरक्ति ... २७१
३—त्रिशला का प्रस्ताव ... २७३
४—विवाहार्थ-प्रेरणा ... २७५
५—वीर की दृढ़ता ... २८१

६—मातृ-प्रति उत्तर ... २८२
७—उद्देश्य सूचना ... २८४
८—क्षमा याचना ... २८८

## ग्यारहवाँ सर्ग

१—वीर का ब्रह्मचर्य ... २६३
२—सिद्धार्थ-प्रस्ताव ... २६६
३—राज्यहेतु अनुरोध ... २६७
४—वीर की अस्वीकृति ... ३०४
५—शासन-स्वरूप ... ३०७
६—वैराग्य-वृद्धि ... ३१२

## बारहवाँ सर्ग

१—पूर्वभव स्मरण ... ३१७
२—अतीत का सिंहावलोकन ... ३१८
३—अनुप्रेक्षा-चिन्तन ... ३२१
४—अनुमति-याचना ... ३२६
५—सिद्धार्थ-सम्बोधन ... ३३१
६—वीर का उत्तर ... ३३१
७—पुनः सिद्धार्थ के तर्क ... ३३४
८—वीर द्वारा समाधान ... ३३५
६—त्रिशला का प्रयास ... ३३६
१०—वीर की अटलता ... ३३७

## तेरहवाँ सर्ग

१—वीर का वैराग्य ... ३४१
२—सर्वस्वदान ... ३४२

३—लौकान्तिक-देव-आगमन ... ३४३
४—वैराग्य-प्रशंसा ... ३४३
५—वासना पर विजय ... ३४६
६—वैभव त्याग ... ३५१
७—अन्य परिग्रह त्याग ... ३५३
८—विरागता ... ३५३
९—वन-गमन ... ३५५
१०—जगल में मङ्गल ... ३५७
११—दीक्षा ... ३५९

## चौदहवाँ सर्ग

१—ध्यान ... ३६५
२—निडरता ... ३६६
३—निर्मोह ... ३६८
४—प्रथम पारणा ... ३६९
५—समरसता ... ३७२
६—गोप का कोप ... ३७४
७—उपसर्ग पर विजय ... ३७५
८—पहला चतुर्मास ... ३७६
९—आत्म साधना ... ३७७
१०—दृष्टिविष विषधर ... ३७८
११—वीर की एकाग्रता ... ३७९
१२—नाग का कोप त्याग ... ३८२
१३—चरण रेखा की महिमा ... ३८३

## पन्द्रहवाँ सर्ग

१—दूसरा चतुर्मास ... ३८९

| | | |
|---|---|---|
| २—गोशालक पर प्रभाव | ... | ३८६ |
| ३—नालन्दा से विहार | ... | ३६१ |
| ४—भविष्य कथन | ... | ३६४ |
| ५—भ्रमण | ... | ३६५ |
| ६—तीसरा चतुर्मास | ... | ३६७ |
| ७—चौथा चतुर्मास | ... | ३६८ |
| ८—अग्नि-उत्पात | ... | ३६६ |
| ६—स्वयमेव शमन | ... | ४०१ |
| १०—राढ़भूमि की ओर विहार | ... | ४०३ |
| ११—पाँचवाँ चतुर्मास | ... | ४०४ |
| १२—तप-प्रभाव | ... | ४०४ |
| १३—छठा चतुर्मास | ... | ४०७ |
| १४—सातवाँ चतुर्मास | ... | ४०८ |
| १५—आँठवाँ चतुर्मास | ... | ४०६ |
| १६—नवाँ चतुर्मास | ... | ४१० |


## सोलहवाँ सर्ग


| | | |
|---|---|---|
| १—सिद्धार्थपुर से विहार | ... | ४१३ |
| २—तिल-स्तुप-प्रसङ्ग | ... | ४१३ |
| ३—कैवल्य-साधना | ... | ४१६ |
| ४—दसवाँ चतुर्मास | ... | ४१७ |
| ५—देव कृत परीक्षा | ... | ४२० |
| ६—वीर का धैर्य | ... | ४२१ |
| ७—देव का सन्तोष | ... | ४२२ |
| ८—देवाङ्गनाओं का प्रयास | ... | ४२७ |
| ६—राग प्रदर्शन | ... | ४२८ |

१०—अन्य उपाय ... ४२६
११—पूर्ण असफलता ... ४३१
१२—ग्यारहवाँ चतुर्मास ... ४३४

## सत्रहवाँ सर्ग

१—वीर का उपवास ... ४३७
२—श्रेष्ठि प्रमुख की निराशा ... ४३६
३—वीर का अभिग्रह ... ४३६
४—रानी मृगावती की चिन्ता ... ४४१
५—प्रयत्नों की विफलता ... ४४४
६—चन्दना से सेठानी की ईर्ष्या ... ४४५
७—चन्दना द्वारा आहार दान ... ४४७
८—चन्दना और मृगावती का मिलन ... ४४६
६—चन्दना-प्रशंसा ... ४५१
१०—बारहवाँ चतुर्मास ... ४५२
११—ग्वाले की अधमता ... ४५२
१२—ऋजुकूला-तट ... ४५४
१३—कैवल्य प्राप्ति ... ४५५

## अठारहवाँ सर्ग

१—सोमिलाचार्य का यज्ञ ... ४६१
२—ग्यारह विद्वान ... ४६१
३—परिचय ... ४६३
४—इन्द्र का छल ... ४६५
५—इन्द्रभूति पर प्रतिबन्ध ... ४६७
६—इन्द्रभूति का समवशरण में प्रवेश ... ४६६
७—मण्डप की मनोरमता ... ४७१

८—अंकित श्रेष्ठि का परिचय ... ४७२
९—इन्द्रभूति का निवेदन ... ४७५
१०—जीव तत्व निरूपण ... ४७६
११—इन्द्रभूति की दीक्षा ... ४८१

## उन्नीसवाँ सर्ग

१—अग्निभूति का आगमन ... ४८५
२—अग्निभूति की शङ्का ... ४८७
३—वीर कृत समाधान ... ४८८
४—अग्निभूति की दीक्षा ... ४८८
५—वायुभूति की शङ्का ... ४८९
६—वायुभूति की दीक्षा ... ४९१
७—आर्यव्यक्त की शङ्का ... ४९२
८—आर्यव्यक्त की दीक्षा ... ४९३
९—सुधर्म की शङ्का ... ४९४
१०—सुधर्म की दीक्षा ... ४९७
११—मण्डिक की शङ्का ... ४९८
१२—मण्डिक की दीक्षा ... ५००
१३—मौर्यपुत्र की शङ्का ... ५०१
१४—मौर्यपुत्र की दीक्षा ... ५०४
१५—अकम्पिक की शङ्का ... ५०५
१६—अकम्पिक की दीक्षा ... ५०६

## बीसवाँ सर्ग

१—अचल भ्राता की शङ्का ... ५०९
२—अचल भ्राता की दीक्षा ... ५१०
३—मेतार्य की शङ्का ... ५११

४—मेतार्य की दीक्षा ... ५११
५—प्रभास की शङ्का ... ५१२
६—प्रभास की दीक्षा ... ५१३
७—केवल ज्ञान-प्रभाव ... ५१४
८—राजगृह की ओर गमन ... ५१६
९—वनपाल का विस्मय ... ५१७
१०—श्रेणिक को सूचना ... ५१८
११—वन्दनार्थ-प्रस्थान ... ५२२
१२—वीर के प्रति विनय ... ५२३
१३—अष्ट प्रतिहार्य ... ५२५
१४—धर्मोपदेश ... ५२७
१५—आत्मा की अविनश्वरता ... ५२८

## इक्कीसवाँ सर्ग

१—नर पर्याय के कष्ट ... ५३३
२—जीव की भ्रान्ति ... ५३३
३—आत्म बल ... ५३६
४—अहिंसा सामर्थ्य ... ५३८
५—मोक्ष-सौख्य की महत्ता ... ५४०
६—नर भव की दुर्लभता ... ५४१
७—तेरहवाँ चतुर्मास ... ५४३
८—उपदेश-प्रभाव ... ५४३
९—राजगृह से प्रस्थान ... ५४६
१०—चौदहवाँ चतुर्मास ... ५४८
११—कौशाम्बी में प्रभावना ... ५४८
१२—पन्द्रहवाँ चतुर्मास ... ५५०

१३—सोलहवाँ चतुर्मास ... ५५१
१४—वीर की विख्याति ... ५५२
१५—सत्रहवाँ चतुर्मास ... ५५३
१६—अठारहवाँ चतुर्मास ... ५५४

## बाईसवाँ सर्ग

१—श्रेणिक पर प्रभाव ... ५५७
२—युवराजों की दीक्षा ... ५५८
३—उन्नीसवाँ चतुर्मास ... ५५९
४—बीसवाँ चतुर्मास ... ५६०
५—इक्कीसवाँ चतुर्मास ... ५६१
६—बाईसवाँ चतुर्मास ... ५६३
७—स्कन्दक की दीक्षा ... ५६५
८—तेईसवाँ चतुर्मास ... ५६६
९—चौबीसवाँ चतुर्मास ... ५६६
१०—पच्चीसवाँ चतुर्मास ... ५६७
११—चम्पा के राजवंश पर प्रभाव ... ५६७
१२—छब्बीसवाँ चतुर्मास ... ५६८
१३—सत्ताईसवाँ चतुर्मास ... ५६९
१४—शिव राजर्षि पर प्रभाव ... ५७०
१५—अट्ठाईसवाँ चतुर्मास ... ५७१
१६—उनतीसवाँ चतुर्मास ... ५७२
१७—शाल और महाशाल की दीक्षा ... ५७३
१८—तीसवाँ चतुर्मास ... ५७४
१९—इकतीसवाँ चतुर्मास ... ५७४
२०—बत्तीसवाँ चतुर्मास ... ५७५

२१—तैंतीसवाँ चतुर्मास ... ५७५
२२—चौंतीसवाँ चतुर्मास ... ५७६
२३—पैंतीसवाँ चतुर्मास ... ५७७
२४—छत्तीसवाँ चतुर्मास ... ५७८

## तेईसवाँ सर्ग

१—मगध की ओर गमन ... ५८१
२—सैंतीसवाँ चतुर्मास ... ५८१
३—अड़तीसवाँ चतुर्मास ... ५८१
४—उनतालीसवाँ चतुर्मास ... ५८२
५—चालीसवाँ चतुर्मास ... ५८२
६—इकतालीसवाँ चतुर्मास ... ५८३
७—प्रचार-प्रभाव ... ५८४
८—बयालीसवाँ चतुर्मास ... ५८५
९—पावापुर में स्वागत ... ५८५
१०—धर्मोपदेश का प्रभाव ... ५८७
११—अन्तिम दिन ... ५८९
१२—निर्वाणोत्सव ... ५९०
१३—दीपावलि ... ५९३
१४—जग की भ्रान्ति . ५९५
१५—वीर के स्मारक ... ५९६
१६—श्रुत केवली ... ५९८
१७—उत्तर भारत का अकाल ... ६००
१८—श्वेताम्बर-उत्पत्ति ... ६०१
१९—वीर-वाणी का ग्रन्थीकरण ... ६०२
२०—परिसमाप्ति ... ६०२

परिशिष्ट संख्या १ ( पारिभाषिक शब्द कोष ) ... ६०३
परिशिष्ट संख्या २ ( विहार स्थल नाम कोष ) ... ६४३
परिशिष्ट संख्या ३ ( प्रमुख शिष्यों एवं भक्तों का परिचय ) ६५६

—:०:—

# चित्र-सूची

१—परम ज्योति महावीर ... ४६
२—त्रिशाल के १६ स्वप्न ... १०६
३—जिनेन्द्र को लेकर इन्द्राणी का निर्गमन ... २१०
४—देव-परीक्षा ... २४८
५—महावीर की दीक्षा ... ३६१
६—दृष्टिविष विषधर ... ३८०
७—देवाङ्गनाओं द्वारा परीक्षा ... ४३०
८—चन्दना का आहारदान ... ४४७

—❀—